

परियोजना का नाम:- जनपद चमोली के विकास खण्ड कर्णप्रयाग में बगोली कोटी मोटर मार्ग का विस्तार (लम्बाई 6.00 कि.मी.)

वन संरक्षण अधिनियम के उल्लंघन न होने का प्रमाण पत्र,

प्रमाणित किया जाता है कि जनपद चमोली के विकास खण्ड कर्णप्रयाग में बगोली-कोटी मोटर मार्ग का विस्तार लम्बाई 6.00 कि.मी. मोटर मार्ग निर्माण हेतु जो वन भूमि प्रस्तावित की गयी है उसके अर्न्तगत कोई भी निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है। अतः उक्त परियोजना के निर्माण में कोई वन संरक्षण अधिनियम के उल्लंघन नहीं किया गया है।

सहायक अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग।

अधिशाली अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग।

प्रमाणित करता अधिकारी
बदाम पथ वन विभाग
धौलागढ़ (चमोली)

साम समा का समेक्षण के संबंध में सहमति पत्र

हम गाँव पंचायत कोठी चण्ड लैटा निवास स्वयं कोषाग्र NEसीन कोषाग्र
के सम्मत गाँव वाली गाँव कोठी छोटा जालन्धर पंचायती के लिए प्र. स्व. ०
क्र. नि. ० १६० कोषाग्र स्वयं कोषाग्र कोठी से पंचायती तक पुराने निर्मित
मार्ग पर किया गया उस पर स्वयं निर्माण करने में अपनी सहमति प्रदान
करते हैं इसमें जो श्री सिविल स्वयं कोषाग्र स्वयं निर्माण नाप भूमि पड़ेगी
उसका भूजगान कोठी के उपगत सरकारी है। पर भूजगान करने की सहमति
प्रदान करते हैं

9.5.2010

गाँव प्रधान
कोठी
9.5.2010

अपनी

अपनी

जगदीश

रुपनी

जगदीश

अपनी

अपनी

जगदीश

विश्वरूप

अपनी

रुपनी

अपनी

अपनी

विक्रम सिंह

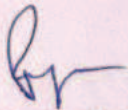
जगदीश सिंह कोठियाल

अपनी

परियोजना का नाम:- जनपद चमोली में विकास खण्ड कर्णप्रयाग में बगोली-कोटी मोटर मार्ग का विस्तार हेतु सिविल /वन पंचायती भूमि के प्रस्ताव।

कार्य प्रारम्भ न होने का प्रमाण-पत्र


प्रमाणित किया जाता है कि प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा आवेदित भूमि पर अभी तक कोई निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है। भारत सरकार से वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के अन्तर्गत स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात् ही निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।



कनिष्ठ अभियन्ता
लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग



सहायक अभियन्ता
लो.नि.वि.



अधिशोषी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग

वन क्षेत्राधिकारी

प्रभागीय वनाधिकारी
बदोनाथ नगर
मो: 98222 10000

कार्यालय मुख्य अभियन्ता स्तर-1
उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग
देहरादून।

पत्रांक 57/भू/लो/नि/7/10

दिनांक 25.6.2010

सेवा में,

अधिसासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग,
कर्णप्रयाग।

विषय:- स्थलों की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

महोदय,

प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग कर्णप्रयाग से सम्बंधित निम्नांकित स्थलों की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या सूचनार्थ एवं आगे की आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

1. बगोली कोटी मोटर मार्ग के विस्तार हेतु संमरेखन।
2. बाटाधार कुणखेत धुनारघाट मार्ग के कि०मी० 3 में सेतु स्थल।

संलग्नक- यथोपरि।

H. Kumar
25.6.10
भूवैज्ञानिक

पत्रांक

दिनांक

प्रतिलिपि :-

कार्यालय मुख्य अभियन्ता स्तर-1 यातायात वर्ग लोक निर्माण विभाग देहरादून को आख्या की प्रति सहित सूचनार्थ प्रेषित।

भूवैज्ञानिक

f-e. attached
25/6/10
सहायक अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो. नि. वि. के.
कर्णप्रयाग (चमोली)

कार्यालय मुख्य अभियन्ता स्तर-1
उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग
(देहरादून)

88

(भूगर्भीय आख्या)

आख्या संख्या 50 / 2254 / 10

जनपद चमोली में बगोली कोटी मोटर मार्ग के विस्तार हेतु प्रस्तावित
समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

जून 2010

(4)

जनपद चमोली में बगोली कोटी मोटर मार्ग के विस्तार हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग कर्णप्रयाग के अन्तर्गत 06.00 कि०मी० लम्बाई में बगोली कोटी मार्ग के विस्तार हेतु मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग कर्णप्रयाग के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 11.5.2010 को सम्बन्धित सहायक अभियन्ता श्री वी०एस० पुण्डीर एवं कनिष्ठ अभियन्ता कु० पूजा नेगी के साथ निरीक्षण किया गया।
2. राज्य योजना के अन्तर्गत बगोली कोटी मोटर मार्ग का 6.00 कि० मी० लम्बाई में विस्तार हेतु मार्ग के नवनिर्माण का कार्य स्वीकृत है। मार्ग निर्माण हेतु खण्ड द्वारा दो समरेखन बनाये गये हैं। समरेखन संख्या दो पर स्थानीय ग्रामवासियों की असहमति एवं अन्य तकनीकी बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुये प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग कर्णप्रयाग द्वारा समरेखन संख्या एक के अनुसार मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव है। प्रस्तावित समरेखन बगोली कोटी निर्मित मार्ग के अंतिम बिन्दु (11.750 कि०मी०) से आगे आरम्भ होता है। इस मार्ग से ग्वालखेत तोक, कोटी तथा पैखोली गांव लाभान्वित होंगे। अधिकांश लम्बाई में पैखोली तक यह समरेखन बगोली- दिवालीखाल अश्व मार्ग का अनुसरण करते हुये बनाया गया है, जिससे वृक्षों का पातन कम से कम हो। समरेखन में चार हेयर पिन बैंड दिये गये हैं, जो क्रमशः कास सैक्शन 0/23, 1/33, 3/06 तथा 5/34 में दिये गये हैं। समरेखन क्षेत्र में संधियुक्त शिस्ट एवं क्वार्ट्जाइट चट्टान हैं तथा स्थान-स्थान पर इनके ऊपर मिट्टी/डेब्री का ओवर बर्डन है। भूमि का सामान्य ढलान 25° से 45° के मध्य प्रतीत होता है, किन्तु कहीं-कहीं चट्टानी भाग में ढलान अधिक भी है।
3. समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू-आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे हैं, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।
 - (क) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौड़ाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जहां रिटेनिंग दीवार का निर्माण अपरिहार्य हो वहां इनका निर्माण फर्म स्ट्रेटा पर समुचित परिकल्पना के आधार पर कराया जाये।
 - (ख) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैंड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में बनाये जाये।
 - (ग) तीव्र ढलान में मार्ग की एक से अधिक आर्म्स की स्थिति को avoid किया जाये अन्यथा फर्म स्ट्रेटा न होने की स्थिति में मार्ग के कटान के बाद स्थानीय भूस्खलन होने तथा मार्ग के क्षतिग्रस्त होने की सम्भावना हो सकती है।
 - (घ) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।
 - (ङ) समरेखन में तीव्र पहाड़ी ढलान वाले भाग को बचाते हुये सावधानीपूर्वक मार्ग कटान कराया जाये जिससे भविष्य में कोई अस्थिरता उत्पन्न न हो।
 - (च) जहां मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, आवश्यक होने पर उस भाग में मार्ग कटान के साथ-साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये,

हाताक्षर सत्यापित
 11/08/11
 सहायक अभियन्ता
 प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग
 कर्णप्रयाग (बगोली)

- (छ) जहाँ आवश्यक हो, मार्ग से ऊपर व नीचे पहाड़ी ढलान पर समुचित पौधों का रोपण किया जाये, जिससे ढलानों पर भूक्षरण की प्रक्रिया को नियंत्रित रखा जा सकें।
- (ज) वर्षा के पानी के समुचित निकासी हेतु रोडसाइड ड्रेन एवं स्कपर का प्रावधान किया जाये। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि स्कपर के पानी से भूक्षरण न हो।
- (झ) पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानकों एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जाये।

4. मार्ग के नव निर्माण विषयक स्थायित्व सम्बंधी बिन्दु:-

- (क) मार्ग के कटान के पश्चात हिल साईड में जिस स्थान पर over burden material होगा तथा पहाड़ी ढलान slope forming material के angle of repose से अधिक होगा उस भाग में वर्षाकाल में पहाड़ी ढलान के अस्थिर होने की सम्भावना हो सकती है।
- (ख) तीव्र चट्टानी ढलान में blasting किये जाने पर चट्टान के ज्वाइन्ट्स सक्रिय हो सकते हैं तथा नई दरारें भी उत्पन्न हो सकती हैं। अतः जहाँ आवश्यक हो मार्ग कटान में नियंत्रित ब्लास्टिंग की जाये।

5. बगोली कोटी मोटर मार्ग के विस्तार हेतु 06.00 कि०मी० लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणी:-

- (1) भूमि हस्तांतरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात् स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है। समरेखन/मार्ग पर किसी विशिष्ट बिन्दु पर यदि सुझाव की आवश्यकता हो तो उसे अलग से अवगत कराया जाए।
- (2) मुख्य अभियन्ता, स्तर-1, लो०नि०वि०, देहरादून द्वारा समस्त अधीक्षण अभियन्ताओं को मार्गों के निर्माण एवं समरेखन निर्धारण के सम्बन्ध में प्रेषित पत्रांक 7272/8(1)याता०-उ०/०5 दि० 16.11.2005 में दिये गये निर्देशों का भी अनुपालन किया जाये।

J. Kumar
25.6.10
प्रस्तावित
कार्यालय मुख्य अभि स्तर-1
लो०नि०वि० उत्तरांचल
देहरादून

होपा मील सत्यापित
01/08/11
प्रान्तीय खण्ड, लो० नि० वि०
कर्णप्रयाग (बगोली)

Task Force Certificate

- (i) Lay out of the Land-be followed as far as possible.
- (ii) Heavy cutting/filling be avoided-as far as possible. The technology of cut and fill method is to be adopted. Steep hill slopes also to be avoided.
- (iii) Unstable/slide-prone areas to be avoided. For identifying such areas the advice of Geotechnical engineers and geologists to be taken during the survey for alignment.
- (iv) Comparison of various possible alignments with reference to erosion potential be made and the alignment involving minimum erosion risks be preferred.

A part from the stage of planning the road alignment, effective steps are also required to be taken by ground engineer during the process of road construction for minimized ecological disturbance to the hill roads Broadly the measures to be taken have been identified as :-

- (i) Cut and fill method to be adopted while excavating for road formation and heavy earth cutting is to be avoided Box cutting is to be avoided to the extent possible.
- (ii) (ii) Blasting by explosives is to be restricted to the minimum. Lay out of holes to be drilled for blasting is to be planned keeping in view the line of least resistance and the existence of joints Controlled blasting should be repeated using low charge and care be taken to avoid activating slide zones or widening fissures and cracks in rock. Use of delay detonators in large scale blasting work is to be made for anaoline dispersion of chock waves, so that minimum disturbance is caused to the rock stratum as a result of the blasting process.
- (iii) (iii) All cut slopes, unusable hill side and slide prone erosion prone areas are to be provided with suitable correction measures by using one or the other of the techniques developed by CRRI. Several techniques have been sponsored by CRRI. like simple vegetative turning, bitumen much treatment and slide treatment by jute netting coir netting of these simple vegetative turning seems to be the most appropriate preventive measure in many situations. This should be established in the denuded slopes immediately after the excavation is made
- (v) Adequate drainage measures and protective structures like intercepting catch water drains, longitudinal drains/culvers, breast walls, retaining and the walls are provided for purposes of establishing the slips Growth vegetative cover is stimulated in the disturbed hill slopes above the road level by planting suitable fast growing shrubs and plants. In certain selected unstable areas terraced afforestation has also been plasticized as a stabilizing measure with good results.

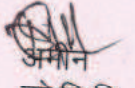
2.29

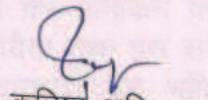
(94)

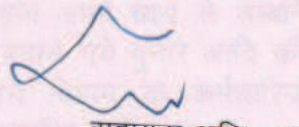
(45)

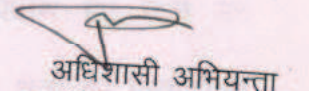
- (vi) Over the past few years the roads wing of the Ministry of Shipping and transport has issued instruction laying down broad guidelines and check list of the preparation of road construction projects which provide an inbuilt mechanism of tackling land slides/erosion control for the guidance and follow up action by engineers of state 'PWD' Border Roads Organization and other engaged in construction of hill roads these should be observed.

प्रमाणित किया जाता है कि योजना आयोग द्वारा गठित टास्क फोर्स की उपरोक्त संस्तुतियाँ याचक विभाग को मान्य हैं।


अमरि
लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग


कनिष्ठ अभियन्ता
लो.नि.वि.


सहायक अभियन्ता
लो.नि.वि.

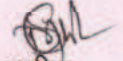

अधिशाली अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग

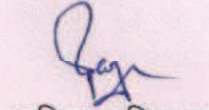
:मानक शर्तें:


1. भूमि हस्तान्तरण के बाद भी उसके उसके वैधानिक स्थल में कोई परिवर्तन नहीं होगा और वह भी पूर्व की भाँति रक्षित या आरक्षित वन भूमि बनी रहेगी।
2. प्रश्नगत भूमि का उपयोग केवल कथित प्रयोजन हेतु ही किया जायेगा अन्य प्रयोजन हेतु कदापि नहीं।
3. याचक विभाग प्रस्तावित भूमि अथवा उसके किसी भी भाग को किसी अन्य विभाग, संस्था अथवा व्यक्ति विशेष को हस्तान्तरित नहीं करेगा।
4. भूमि का संयुक्त निरीक्षण करके सुनिश्चित कर लिया गया है कि माँगी गई भूमि न्यूनतम है तथा इसके अतिरिक्त कोई अन्य वैकल्पिक भूमि उपलब्ध नहीं है।
5. हस्तान्तरीय विभाग उसके कर्मचारी, अधिकारी अथवा ठेकेदार वन भूमि को किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुँचायेंगे और ऐसा किये जाने पर सम्बन्धित वनाधिकारी द्वारा निर्धारित मुआवजे के भुगतान उक्त विभाग को करना होगा, जिसके याचक विभाग सहमत हैं।
6. भूमि का सीमांकन याचक विभाग अपने व्यय से सम्बन्धित वनाधिकारी की देर-रेख में करायेगा तथा इस सम्बन्ध में बनाये गये मुनारे आदि की भी देखभाल करेगा।
7. हस्तान्तरण वन भूमि पर वन विभाग के कर्मचारियों को निरीक्षण हेतु जाने पर हस्तान्तरीय विभाग को कोई आपत्ति नहीं हाँगा।
8. बहुमूल्य वन सम्पदा से आच्छादित एवं वन जन्तुओं से भरपूर वन क्षेत्रों का हस्तान्तरण यथासम्भव प्रस्तावित न किया जाय। केवल अपरिहार्य कारणों से ही ऐसा किया जाना सम्भव होगा, परन्तु प्रतिबन्ध यह होगा कि वन सम्पदा की क्षतिपूर्ति एवं अन्य जन्तुओं के स्वच्छन्द विवरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के बाद ही भूमि हस्तान्तरित की जायेगी।
9. सिंचाई विभाग/जल निगम द्वारा वन विभाग की नहरसरियों पौधों को एवं वन विभाग के कर्मचारियों की निःशुल्क जल की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।
10. याचक विभाग द्वारा हस्तान्तरित वन भूमि का उपयोग अन्य प्रयोजन हेतु करने अथवा विभाग संस्था या व्यक्ति विशेष की हस्तान्तरित करने पर वन भूमि स्वतः बिना किसी प्रकार के प्रतिकर का भुगतान किये वन विभाग को वापस हो जायेगी। वन भूमि की आवश्यकता याचक विभाग को न रहने पर भी हस्तान्तरित भूमि तथा उस पर निर्मित भवन आदि स्वतः बिना किसी प्रतिकर का भुगतान किये वन विभाग को प्राप्त हो जायेगी।
11. सड़क निर्माण के प्रस्तावों पर एलाइनमेंट तय होते समय स्थानीय स्तर पर वन विभाग का परामर्श सा०नि०वि० द्वारा प्राप्त किया जायेगा तथा इस सम्बन्ध में प्रमुख अभियन्ता, सा०नि०वि० के अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, पर्व० क्षेत्र पौड़ी को सम्बोधित पत्र संख्या 608 सी० दिनांक 10-2-82 में निहित आदेशों का पालन भी सा०नि०वि० द्वारा किया जायेगा कि अश्वमार्ग बनाना अथवा वन मार्गों को फेर बदल कर पक्का करना याचक विभाग के खर्च से पर्याप्त न होना और नई सड़क का निर्माण ही आवश्यक है।
12. वन भूमि का मूल्य सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रदत्त मूल्य सम्बन्धित प्रमाण पत्र के आधार पर आंकलित होना जो याचक विभाग को मान्य होगा।
13. वन भूमि पर खड़े वृक्षों का निस्तारण वन विभाग उ०प्र० वन निगम अथवा और कोई उपयुक्त प्रक्रिया जो वन विभाग उचित समझे द्वारा किया जायेगा। यदि किसी कारण से वृक्षों का निस्तान्तरण वन विभाग द्वारा सम्भव न हो सके और उसका पालन आवश्यक हो तो याचक विभाग द्वारा वृक्षों का बाजार भाव पर मूल्य देय होगा।
14. हस्तान्तरित भूमि पर पड़ने वाले वृक्षों के प्रतिकार में याचक विभाग द्वारा हस्तान्तरित भूमि के समतुल्य वृक्षारोपण का भुगतान अथवा समतुल्य गैर वानिकी भूमि उपलब्ध न होने पर प्रस्तावित भूमि के दुगने गैर वानिकी क्षेत्रफल में वृक्षारोपण तथा 3 वर्ष तक परिपोषण व्यय जो भी वन विभाग द्वारा तय किया जाय का भुगतान याचक विभाग वन विभाग को करेगा। 1000 मीटर एवं 30 डिग्री से अधिक ढाल पर खड़े वृक्षों का पातन भी निषिद्ध है, इसी प्रकार बाँज के पेड़ों पर पातन भी वर्जित है। ऐसे वृक्षों के पातन का निरीक्षण वन संरक्षक स्तर पर ही होगा।

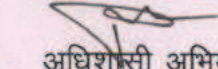
- (57)
15. वन भूमि के ऊपर से विद्युत लाईन ले जाने में यथासम्भव पेड़ों का कटान नहीं किया जायेगा। या खम्भों को ऊँचा करके इसे सुनिश्चित किया जायेगा। यदि फिर भी पेड़ों का कटान अनिवार्य प्रतीत होता है तो न्यूनतम पेड़ों की संख्या संयुक्त स्थल निरीक्षण करके सम्बन्धित उप वन संरक्षक द्वारा निश्चित की जायेगी, जिस पर संरक्षण का अनुमोदन आवश्यक है।
 16. यदि नहर आदि निर्माण में भू-संरक्षण की सम्भावना होती है और नहर की दोनों पट्टीयों को पक्का करना अगर आवश्यक समझा जाता है तो ऐसा याचक विभाग स्वयं अपने व्यय से करायेगा।
 17. उपरीलिखित मानक शर्तों के अतिरिक्त यदि भारत सरकार अथवा वन विभाग द्वारा किसी विशिष्ट प्रकरण में कोई अन्य शर्तें लगाई जाती हैं तो याचक विभाग को मान्य होगी।
 18. वन भूमि का वास्तविक हस्तान्तरण तभी किया जाय, जब उच्च शर्तों का पूरा पालन कर लिया जाय अथवा उनका समुचित स्तर से आश्वासन प्राप्त हो जाय।

प्रमाणित किया जाता है कि वन विभाग उत्तराखण्ड शासन तथा भारत सरकार द्वारा लगाई गई शर्तें याचक विभाग को मान्य है।


अमीन
लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग


कनिष्ठ अभियन्ता
लो.नि.वि.


सहायक अभियन्ता
लो.नि.वि.

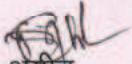

अधिशोषी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग

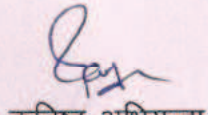
परियोजना का नाम:-


(2032) (43)
जनपद चमोली में विकास खण्ड कर्णप्रयाग में
बगोली-कोटी मोटर मार्ग का विस्तार हेतु सिविल
/वन पंचायती भूमि के प्रस्ताव।

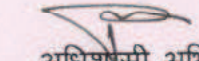
भू-वैज्ञानिक / जिला टॉस्क फोर्स की संस्तुतियों का अनुपालन किये जाने का प्रमाण-पत्र।

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित परियोजना हेतु भू-वैज्ञानिक / जिला टॉस्क फोर्स द्वारा दिये गये सुझावों / शर्तों का निर्माण कार्य के दौरान लो0नि0वि0 द्वारा पूरी तरह अनुपालन किया जायेगा।


अमीन
लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग


कनिष्ठ अभियन्ता
लो.नि.वि.


सहायक अभियन्ता
लो.नि.वि.


अधिशोषी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग

(233)


(96) 481

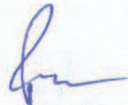
परियोजना का नाम:-

जनपद चमोली में विकास खण्ड कर्णप्रयाग में
बगोली-कोटी मोटर मार्ग का विस्तार हेतु सिविल
/वन पंचायती भूमि के प्रस्ताव।धार्मिक/पौराणिक/ऐतिहासिक महत्व के स्थल न होने का प्रमाण-पत्र

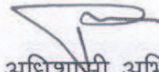
प्रमाणित किया जाता है कि आवेदित वन भूमि में किसी प्रकार का ऐतिहासिक स्थल, धार्मिक स्थल, स्मारक, मन्दिर, मस्जिद, शमशान घाट, कब्रिस्तान आदि स्थित नहीं है तथा उक्त वन भूमि सार्वजनिक उपयोग की नहीं है।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त वन भूमि अन्य प्रयोजन हेतु किसी को आवंटित नहीं की गई है।

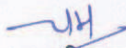

अमीन
लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग


कनिष्ठा अभियन्ता
लो.नि.वि.


सहायक अभियन्ता
लो.नि.वि.


अधिशास्ती अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग


पटवारी क्षेत्र


तहसीलदार


उपजिलाधिकारी


वन क्षेत्रीय अधिकारी
नारायणबगई

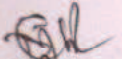

प्रान्तीय वन अधिकारी
बद्रानथ वन भवन
बोपेश्वर (चमोली)



जिला अधिकारी
चमोली

परियोजना का नाम:- जनपद चमोली में विकास खण्ड कर्णप्रयाग में बगोली-कोटी मोटर मार्ग का विस्तार हेतु सिविल /वन पंचायती भूमि के प्रस्ताव।

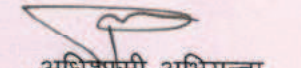
वन्य जीव/वनस्पतियों को क्षति न पहुँचाये जाने का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित परियोजना के निर्माण कार्य/रख-रखाव के दौरान लो०नि०वि० द्वारा वन्य जीव/स्थानीय वनस्पतियों को कोई नुकसान नहीं पहुँचाया जायेगा।


अमीन
लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग


कनिष्ठ अभियन्ता
लो.नि.वि.


सहायक अभियन्ता
लो.नि.वि.

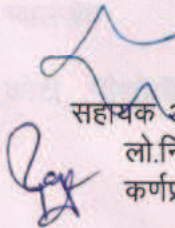

अधिरक्षी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग

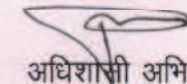
परियोजना का नाम :- जनपद चमोली में विकास खण्ड कर्णप्रयाग में बगोली-कोटी मोटर मार्ग का विस्तार हेतु सिविल /वन पंचायती भूमि के प्रस्ताव।

परियोजना के निर्माण में कार्यरत श्रमिकों को जलौनी लकड़ी/ कुकिंग गैस आदि उपलब्ध कराया जाना।

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रगस्ताविचत मार्ग निर्माण में कार्य करने वाले श्रमिकों अथवा कर्मचारियों के लिए निर्माण एजेन्सी विभाग डीजल एवं मिट्टी का तेल की आपूर्ति ईंधन के रूप में करेगा, वन्य जलौनी लकड़ी का उपयोग उक्त कार्य में नहीं किया जायेगा।


सहायक अभियन्ता
लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग


अधिशोषी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग

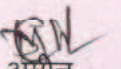
(2.36) 2492


परियोजना का नाम:— जनपद चमोली में विकास खण्ड कर्णप्रयाग में बगोली-कोटी मोटर मार्ग का विस्तार हेतु सिविल / वन पंचायती भूमि के प्रस्ताव।


लाभान्वित होने वाले ग्रामों/परिवारों/जनसंख्या के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र

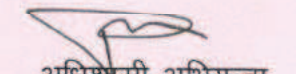
प्रमाणित किया जाता है कि प्रश्नगत परियोजना के निर्माण से निम्न प्रकार स्थानीय ग्रामों/परिवारों/जनसंख्या को लाभ प्राप्त होगा।

<u>ग्राम</u>	<u>परिवार</u>	<u>जनसंख्या</u>
जैटा	—	71
ग्वालखेत	—	71
कोटी / पैखोली	—	617
		<u>योग:— 759</u>


अमीन
लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग


कनिष्ठ अभियन्ता
लो.नि.वि.


सहायक अभियन्ता
लो.नि.वि.


अधिशोषी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग

इको क्लास/ एन.पी.वी. का प्रमाण पत्र

परियोजना का नाम:-जनपद चमोली के विकास खण्ड कर्णप्रयाग के अर्न्तगत
बगोली-कोटी मोटर मार्ग का विस्तार(लम्बाई 5.00 कि.मी.)

प्रमाणित किया जाता है कि उक्त प्रस्तावित मोटर मार्ग के अर्न्तगत पडने
वाली वन भूमि ईको क्लास V Dense Forest के अर्न्तगत आता है। जिसका एन.पी.वी.
का मूल्य 2.219 हे. प्रति है. X 939000/-की दर स रु. 1875000.00
(रु.....) मात्र होता है।


प्रमाणित उप वन संरक्षक,
बद्रीनाथ वन प्रभाग
(बोपे गोपेश्वर नांवा)

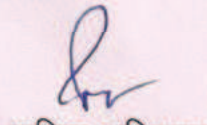
परियोजना का नाम:-

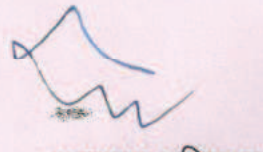
(2138) (101) (53)
जनपद चमोली में विकास खण्ड कर्णप्रयाग में
बगोली-कोटी मोटर मार्ग का विस्तार हेतु सिविल
/वन पंचायती भूमि के प्रस्ताव।


एन0पी0वी0 जमा कराये जाने का प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उक्त प्रकरण में एन0पी0वी0 की देय धनराशि लो0नि0वि0 द्वारा वन विभाग के पक्ष में जमा करायी जायेगी। इसके अतिरिक्त यदि मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा एन0पी0वी0 की धनराशि में कोई बढ़ोतरी की जाती है तो एन0पी0वी0 की अतिरिक्त धनराशि भी लो0नि0वि0 द्वारा जमा करा दी जायेगी।


अमीन
लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग


कनिष्ठ अभियन्ता
लो.नि.वि.



सहायक अभियन्ता
लो.नि.वि.

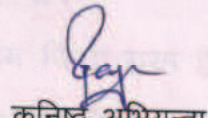

अधिशोषी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग

परियोजना का नाम:- जनपद चमोली में विकास खण्ड कर्णप्रयाग में बगोली-कोटी मोटर मार्ग का विस्तार हेतु सिविल / वन पंचायती भूमि के प्रस्ताव।

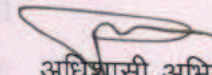
प्रस्तावित परियोजना के लिये ली गई वन भूमि के सीमांकन करने हेतु आर०सी०सी० पिलरों का निर्माण

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित वन भूमि के सीमांकन/सर्वेक्षण हेतु आने वाले व्यय का भुगतान वन विभाग के पक्ष में किया जायेगा।


अमीन
लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग


कनिष्ठ अभियन्ता
लो.नि.वि.


सहायक अभियन्ता
लो.नि.वि.


अधिसूची अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग

परियोजना का सीमांकन का प्राक्कलन

जनपद-चमोली में विकासखण्ड कर्णप्रयाग में बगोली-कोटी मोटर मार्ग विस्तार हेतु वन पंचायत/सिविल वन भूमि 2.219 है० के हस्तांतरण के संबंध में सीमांकन का प्राक्कलन

क्र० सं०	विवरण / इकाई	कुल कि०मी०	दर प्रति है०	धनराशि (रु० में)
1	2	3	4	5
1-	आर०सी०सी० पिलर (मुनारा) बनाना 1:6 मसाले सीमेंट में मय प्लास्टर करना दो कोट चूना सफेदी नम्बर करना	5.50 कि०मी० 10 पीलर प्रति कि०मी० = 55 पीलर	1164.00	64,020.00

बदनाथ वन ३२१
बोपेश्वर (चमोली)

वन क्षेत्राधिकार
पश्चिमी दिग्दर्शक राजि.
नारायणगंज

फैक्ट शीट

1:-परियोजना का नाम :-जनपद चमोली में विकास खण्ड कर्णप्रयाग में बगोली-कोटी मोटर मार्ग का विस्तार हेतु सिविल /वन पंचायती भूमि के प्रस्ताव।

2:- प्रभावित भूमि का वैधानिक स्थिति के अनुसार क्षेत्रफल (है. में) 2.219 है.

आरक्षित वन भूमि—

—शून्य—

सिविल एवं सोयम वन भूमि:—

0.245 है.

वन पंचायती भूमि—

1.974 है.

निजी भूमि —

1.631 है.

योग:—

3.850 है.

3:- प्रस्तावक विभाग का नाम :- प्रान्तीय खण्ड लो.नि.वि.कर्णप्रयाग,

4:- वन प्रभाग का नाम :- बद्रीनाथ वन प्रभाग गोपेश्वर।

5:- प्रस्ताव बाइंडिंग किया गया है:- हॉ/ नहीं

6:- प्रस्ताव में विषय सूची भरी गई है:- हॉ/ नहीं

7:- क्या भारत सरकार के प्रारूप के भाग -1, 2 व 3 के सभी बिन्दुओं की सूचना भरी गई है। हॉ/ नहीं

8:- क्या प्रारूप में वांछित स्थानों पर दिनांक व स्थान भरा गया है- हॉ/नहीं,

9:- प्रस्तावित क्षेत्र की हरियाली का घनत्व दर्शाया गया है:- हॉ/ नहीं

10:-प्रभावित होने वाले वृक्षों की संख्या की सूची/ संलग्न है:- हॉ/ नहीं

11:- बांज प्रजातियों के वृक्षों के प्रभावित होने की दशा में संबंधित वन संरक्षक का स्थलीय निरीक्षण प्रमाण-पत्र संलग्न है- हॉ/ नहीं

12:- प्रभावित होने वाले वृक्षों की संख्या यदि अत्यधिक है तो प्रस्तावत विभाग द्वारा उन्हें कम करने का क्या प्रयास किया गया है। हॉ/ नहीं

13:-समरेखण में आने वाले कुल वृक्षों की संख्या व वास्तविक रूप से काटे जाने वाले वृक्षों की सूची संलग्न है:- हॉ/ नहीं,

14:- क्या वृक्षों की संख्या अनुसार हरियाली का घनत्व सही है:- हॉ/ नहीं

- 15:- क्या क्षतिपूरक वृक्षारोपण की विस्तृत योजना मय स्थल उपयुक्तता प्रमाण-पत्र सहित प्रस्ताव में संलग्न है— 106 (37) हॉ/ नहीं
- 16:- क्या मानचित्र में क्षतिपूरक वृक्षारोपण स्थल को दर्शाया गया है:- हॉ/ नहीं
- 17:- प्रस्तावित मार्ग के दोनो ओर/ परियोजना के आस-पास रिक्त पड़े स्थानों की वृक्षारोपण योजना संलग्न है:- हॉ/ नहीं
- 18:- क्या परियोजना क्षेत्र बन्य जीवों के संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है:- हॉ/ नहीं
- 19:- प्रस्तावित क्षेत्र हाथी कोरीडोर का हिस्सा है:- हॉ/ नहीं
- यदि हॉ तो मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक का प्रमाण पत्र संलग्न है— हॉ/ नहीं
- 20:- क्या प्रस्ताव का क्षेत्रफल सभी प्रपत्रों में सही भरा गया है:- हॉ/ नहीं
- 21:- प्रस्तावित मार्ग नया प्रस्तावित है अथवा पूर्व निर्मित मार्ग से आगे निर्माण किया जाना है (यदि पूर्व निर्मित मार्ग से आगे बनाया जाना है तो पूर्व में जारी तो भारत सरकार की स्वीकृति की प्रति संलग्न करें):- मार्ग नया प्रस्तावित है।
- 22:- क्या मानचित्र में प्रभावित विभिन्न प्रकार की भूमि को अलग-2 रंगों से भरा गया है:- हॉ/ नहीं
- 23:- यदि सड़क का आरम्भिक बिन्दु किसी मार्ग से निकलता है तो उस मार्ग को मानचित्र पर दर्शाया गया है:- हॉ/ नहीं
- 24:- क्या प्रस्तावित परियोजना में वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 का उल्लंघन हुआ है:- हॉ/ नहीं
- 25:- यदि उल्लंघन हुआ है तो पूर्ण स्थिति वर्णित करते हुए दोषी अधिकारियों/ कर्मचारियों के नाम एवं उनके विरुद्ध की गई कार्यवाही का विवरण संलग्न किया जाय:- हॉ/ नहीं
- 26:- सड़क निर्माण हेतु तलाशी गई अन्य सम्भावनायें/ वैकल्पिक समरेखण मानचित्र पर दर्शाये गये हैं:- हॉ/ नहीं
- 27:- वैकल्पिक समरेखणों को निरस्त करने का कारण (एक विस्तृत नोट संलग्न किया जाय):-
- 28:- लागत लाभ विश्लेषण मात्रात्मक रूप में प्रस्तुत है(5 है. से अधिक के प्रकरणों में लागू होगा):- हॉ/ नहीं
- 29:- मानचित्र व वार चार्ट में एक रूपता है:- हॉ/ नहीं

(18) (4)

30:- मलवे के निस्तारण की योजना मय मानचित्र सहित संलग्न है:-

हाँ / नहीं

अथवा

मलवे के निस्तारण के सम्बन्ध में प्रमाण -पत्र संलग्न है:-

हाँ / नहीं

31:- राज्य सरकार द्वारा लगाई जाने वाली शर्तों का प्रमाण -पत्र

प्रस्ताव में संलग्न है:-

हाँ / नहीं

32:- क्या प्रस्ताव में संलग्न प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रतियाँ मूल

में संलग्न है, यदि छाया प्रतियाँ संलग्न की गई है तो क्या वे

सत्यापित है:-

हाँ / नहीं

33:- यदि वन भूमि लीज पर दी है तो लीज अवधि का प्रमाण-पत्र,

संलग्न है:-

लागू नहीं

34:- वित्तीय / प्रशासनिक स्वीकृति संलग्न है:-

हाँ / नहीं

35:- क्या प्रस्ताव के सभी प्रमाण-पत्रों में परियोजना का नाम अंकित है:-

हाँ / नहीं

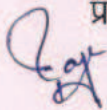
36:- क्या बैंक लिस्ट के अनुसार सभी प्रमाण पत्र -संलग्न:-

हाँ / नहीं

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्ताव उक्त फैक्ट शीट एवं बैंक लिस्ट के अनुसार गठित किया गया है समस्त प्रमाण -पत्र / सूचनायें संलग्न कर दी गयी है।



सहायक अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो.नि.वि.
कर्णप्रयाग




अधिसासी अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड लो.नि.वि.,
कर्णप्रयाग।

